

রাবিতে চাকরি স্থায়ীকরণের দাবিতে মাস্টাররোল কর্মচারীদের প্রশাসনিক ভবন অবরোধ

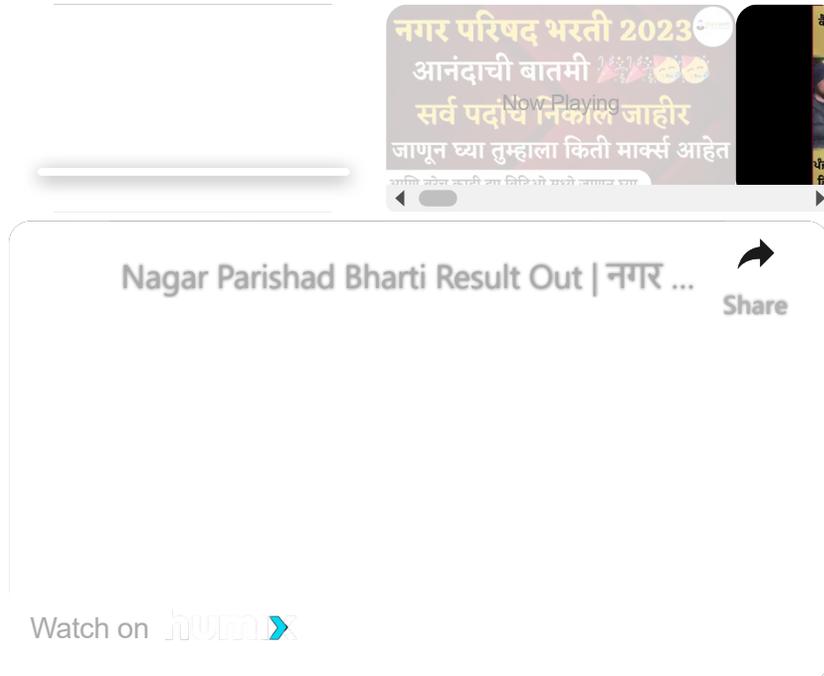
রাবি সংবাদদাতা।

প্রকাশিত: ২৩:১৩, ৭ মার্চ ২০২৫; আপডেট: ২৩:১৩, ৭ মার্চ ২০২৫



×

राजशाही विश्वविद्यालये चाकरि स्थायीकरणेर दारिद्रे प्रशासन भवन अवरोध करे ॐ
मास्तररोले कर्मरत तृतीय ओ चतुर्थ श्रेणिर कर्मचारीरा विस्कोभ करेछेन । एते
उपाचार्य, उप-उपाचार्यद्वय, रेजिस्टरार, प्रक्टरसह प्रशासनिक कर्मकर्तारा प्रशासन भवने
अवरुद्ध हये पड़ेन ।



नगर परिषद भरती 2023
आनंदाची बातमी
सर्व पदांय निकाल जाहीर
जाणून घ्या तुम्हाला किती मार्क्स आहेत

Now Playing

Nagar Parishad Bharti Result Out | नगर ... Share

Watch on hwtanx

आज शुक्रवार विकेल पौने ७टा थेके विश्वविद्यालयेर प्रशासन भवनेर फटके ए कर्मसूचि शुरु हय। रात आटटार दिके कर्मचारीदेर एकटि प्रतिनिधि दल प्रशासनेर सङ्गे साक्षात् करेन। सेखाने उपाचार्येर आश्वासे तारा कर्मसूचि शेष करेन।

ए समय कर्मचारीरा दुनियार मजदुर, 'एक हउ लडाई करो', 'चाकरि निये टालवाहाना, चलवे ना चलवे ना', 'एक दया एक दावि, एई मुहूर्ते चाकरि दिवि', 'भात-कापडे़र आन्दोलन, चलछेई चलवे', 'एक हउ लडाई कर, मास्टररोल कर्मचारी', 'आमार सोनार बांगलाय, वैषम्यर ठाई नाई', 'चाकरि दे चाकरि दे, नयले गदि छेडे दे' प्रभृति श्लोगान देन। रात पौने ८टाय ए प्रतिवेदन लेखार समय तांदेर आन्दोलन अव्याहत छिल।

सरेजमिने देखा याय, कर्मचारीरा प्रशासनिक भवनेर प्रधान फटके अवस्थान निये विभिन्न श्लोगान दिये विस्फोभ करेछेन। ए समय भवनेर भितर थेके काउके बेर हते देओया हयनि । एकईभावे बाईरे थेकेओ काउके टुकते देया हयनि। कयेकजन कर्मकर्ता भेतर थेके बेर हते चाईले तादेर सङ्गे आन्दोलनकारीदेर बागवितण्ठा ओ हाताहाति हय। एकपर्याये कर्मचारीरा चेयार छुडाछुडि ओ फटकेर ताला भाओचुर करेन।

मास्टररोल कर्मचारी ँक्य परिषदेर सभापति मामुन तालुकदार बलेन, 'आजके आमामेदेर एखाने दाँडानोर कथा छिल ना। प्रशासन गत आगसेट आमामेदेर कथा दियेछिल तिन मासेर मध्ये आमामेदेर चाकरि स्थायीकरण करा हवे। किन्तु श्वैराचारी हासिना येमन आचरण करेछिल, आमरा सेई धरनेर आचरणेर भाव देखते पाछि। आर कोनो लेयाजु नय, आमरा चाकरि चाई।'

এ ব্যাপারে জানতে চাইলে বিশ্ববিদ্যালয়ের উপ-উপাচার্য অধ্যাপক ফরিদ উদ্দিন খান বলেন, মাস্টাররোলে কর্মরত কর্মচারীরা দীর্ঘদিন ধরে চাকরি স্থায়ীকরণের দাবি জানিয়ে আসছিলেন। আগামী সিডিকেটে এ বিষয়টি উত্থাপিত হওয়ার কথা ছিল। কিন্তু কিছু আইনগত জটিলতার কারণে এই সিডিকেটে বিষয়টি উত্থাপন করা যাচ্ছে না। বিষয়টি জানার পর থেকে তারা আমাদের অবরুদ্ধ করে আন্দোলন করছেন।

কর্মচারীদের প্রতিনিধি দলের সঙ্গে আলোচনা শেষে বিশ্ববিদ্যালয়ের উপ-উপাচার্য অধ্যাপক মোহাম্মদ মঈন উদ্দীন বলেন, আগামী নয় তারিখের সিডিকেট সভায় তাদের নিয়োগের নীতিগত সিদ্ধান্ত নেয়া হবে। আগামী দুই মাসের মধ্যে তাদের চূড়ান্ত নিয়োগের বিষয়টি সম্পন্ন করা হবে। যেহেতু, তাদের ৭৬ জন বাদী হয়ে একটি মামলা চলমান রয়েছে ওই মামলার নিষ্পত্তির জন্যও তাদের সদিচ্ছা এবং সময় প্রয়োজন।

কর্মচারীদের সঙ্গে কথা বলে জানা যায়, ২০০৪ সাল থেকে বিশ্ববিদ্যালয়ে মাস্টাররোলে কর্মরত আছেন তারা। দীর্ঘদিন ধরে চাকরি স্থায়ীকরণের দাবি জানিয়ে আসলেও আওয়ামী সরকার ক্ষমতায় থাকায় তা সিডিকেটে পাস হয়নি। চব্বিশের গণঅভ্যুত্থানের পর বর্তমান প্রশাসন চাকরি স্থায়ীকরণের প্রতিশ্রুতি দিয়েছিল। এ বিষয়ে তাদের ভাইভাও

নেওয়া হয়েছে। আগামী সিন্ডিকেটে বিষয়টি উত্থাপিত হওয়ার কথা ছিল। আজ বিশ্ববিদ্যালয় প্রশাসনের সঙ্গে আইনজীবীদের সভা হয়। পরে প্রশাসন তাদের জানায় আইনগত জটিলতা ও নথিপত্র না থাকায় চাকরি স্থায়ীকরণ সম্ভব হচ্ছে না।
